श्रीलंका में चीनी पोत

प्रीलिम्स के लिये:

युआंग वांग पोत, भारतीय और श्रीलंका संबंध

मेन्स के लिये:

भारत के हितों, भारत और उसके पड़ोस, भारत-श्रीलंका संबंधों पर नीतियों और देशों की राजनीति का प्रभाव।

चर्चा में क्यों?

हाल ही में, चीन का **उपग्रह ट्रैकिंग पोत युआंग वांग 5** श्रीलंका के दक्षिणी **हंबनटोटा बंदरगाह** पर पहुँचा है, जबकि भारत और अमेरिका ने इस सैन्य जहाज़ की यात्रा पर चिंता व्यक्त की है।

//

युआंग वांग 5 और हंबनटोटा बंदरगाह:

- **युआंग वांग 5:**
  - यह **युआंग वांग शृंखला की तीसरी पीढ़ी** का पोत है जो वर्ष 2007 में सेवारत है।
  - पोत की इस शृंखला में **"मानवयुक्त अंतरिक्ष कार्यक्रम का समर्थन एवं उपग्रह ट्रैकिंग"** भी शामिल हैं।
  - अर्थात् इसमें **उपग्रहों और अंतर-महाद्वीपीय मिसाइलों को ट्रैक** करने की क्षमता है।
- **हंबनटोटा बंदरगाह:**
  - हंबनटोटा इंटरनेशनल पोर्ट समूह **श्रीलंका सरकार एवं चीन मर्चेंट पोर्ट होल्डिंग्स (CMPort)** के मध्य एक **सार्वजनिक-निजी भागीदारी** की रणनीतिक विकास परियोजना है।
  - **श्रीलंका द्वारा चीनी ऋण चुकाने में विफल** रहने के बाद यह बंदरगाह चीन को 99 वर्ष के पट्टे पर दिया गया था।
    - इसे चीन के "डेट ट्रैप" कूटनीति के रूप में देखा जाता है।

श्रीलंका में चीन की मौज़ूदगी भारत के लिये चिंता का विषय:

- हाल ही में श्रीलंका में चीन की मौजूदगी **बड़े पैमाने पर बढ़ी** है।
  - चीन श्रीलंका का **सबसे बड़ा द्वपिक्षीय लेनदार** है।
    - श्रीलंका के कुल **सार्वजनकि क्षेत्र में** ऋण केंद्र सरकार के वदिशी ऋण का 15% है।
    - श्रीलंका अपने वदिशी कर्ज़ के बोझ को कम करने के लयि बहुत अधकि हद तक चीनी ऋण पर नरि्भर है।
    - महामारी की चपेट में आने के तुरंत बाद चीन ने श्रीलंका को लगभग 2.8 बलियिन अमेरीकी डॉलर का ऋण दयिा, लेकनि वर्ष 2022 चीन ने इस मामले में सक्रयि कदम नहीं उठाया और श्रीलंका की अर्थव्यवस्था संकट में आ गई।
  - चीन ने वर्ष 2006-19 के बीच श्रीलंका की बुनयिादी ढाँचा परयिोजनाओं में करीब 12 अरब डॉलर का नविश कयिा है।
  - चीन दक्षणि एशयिा और हदि महासागर में दक्षणि पूर्व एशयिा और प्रशांत क्षेत्र की तुलना में अधकि अधकिार जताता है।
    - चीन को ताइवान के वरिोध, दक्षणि चीन सागर और पूर्वी एशयिा में क्षेत्रीय ववािदों और अमेरकिा और ऑस्ट्रेलयिा के साथ असंख्य संघर्षों का सामना करना पड़ रहा है।
- **चीन की मौजूदगी से भारत की चति:**
  - श्रीलंका ने कोलंबो पोर्ट सटिी के चारों ओर वशिेष आर्थकि क्षेत्र और चीन द्वारा वति्त पोषति नया आर्थकि आयोग स्थापति करने का नरि्णय लयिा है।
    - कोलंबो बंदरगाह **भारत** के **ट्रांस-शपिमेंट कार्गो का 60% संभालता है।**
  - हंबनटोटा और कोलंबो पोर्ट सटिी परयिोजना को पट्टे पर देने से चीनी नौसेना के लयि हदि महासागर में स्थायी उपस्थतिि होना लगभग तय हो गया है जो भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा के लयि चतिाजनक होगा।
    - भारत को घेरने की चीनी रणनीतकि को **स्ट्रगि्स ऑफ परल्स स्ट्रैटेजी** कहा जाता है।
  - बांग्लादेश, नेपाल और मालदीव जैसे अन्य **दक्षणि एशयिाई देश भी बड़े पैमाने पर बुनयिादी ढाँचा परयिोजनाओं के वति्तपोषण के लयि चीन की ओर रुख कर रहे हैं।**

भारत का दृष्टकिोण:

- **सामरकि हतिों को संरक्षति करना:**
  - भारत के लयि **हदि महासागर क्षेत्र** में अपने रणनीतकि हतिों को संरक्षति करने हेतु श्रीलंका के साथ नेबरहुड फर्स्ट की नीति का पोषण करना महत्त्वपूर्ण है।
- **क्षेत्रीय मंचों का लाभ उठाना:**
  - प्रौद्योगकिी संचालति कृषि, समुद्री क्षेत्र के वकिास, आईटी और संचार बुनयिादी ढाँचे आदि जैसे क्षेत्रों में सहयोग को बढ़ावा देने के लयि बमि्सटेक/BIMSTEC, सार्क/SAARC, सागर/ SAGAR और IORA जैसे प्लेटफार्मों का लाभ उठाया जा सकता है।
- **चीनी वस्तिार को रोकना:**
  - भारत को जाफना में कांकेसंतुराई बंदरगाह और त्रकिोमाली में ऑइल टैंक फार्म परयिोजना पर काम करना जारी रखना होगा ताकि यह सुनश्चिति हो सके कि चीन श्रीलंका में आगे कोई पैठ नहीं बना सके।
  - दोनों देश आर्थकि लचीलापन पैदा करने के लयि नजिी क्षेत्र के नविश को बढ़ाने में भी सहयोग कर सकते हैं।
- **भारत की सॉफ्ट पावर का लाभ उठाना:**
  - प्रौद्योगकिी क्षेत्र में भारत अपनी IT कंपनयिों की उपस्थतिि का वस्तिार करके श्रीलंका में रोज़गार के अवसर पैदा कर सकता है।
- ये संगठन हज़ारों प्रत्यक्ष और **अप्रत्यक्ष रोज़गार पैदा कर सकते हैं और द्वीपीय राष्ट्र की सेवा अर्थव्यवस्था को बढ़ावा दे सकते हैं।**

यूपीएससी सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्षों के प्रश्न:

प्रश्न. नम्निलखिति कथनों पर वचिार कीजयि: (2020)

1. पछिले दशक में भारत-श्रीलंका व्यापार मूल्य में लगातार वृद्धि हुई है।
2. "कपड़ा और कपड़े से नरि्मति वस्तुएँ" भारत व बांग्लादेश के बीच व्यापार की एक महत्त्वपूर्ण वस्तु है।
3. नेपाल पछिले पाँच वर्षों में दक्षणि एशयिा में भारत का सबसे बड़ा व्यापारकि भागीदार देश रहा है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1 और 2
(b) केवल 2
(c) केवल 3
(d) 1, 2 और 3

उत्तर: (b)

व्याख्या:

- वाणज्यि वभिाग के आँकड़ों के अनुसार, एक दशक (वर्ष 2007 से वर्ष 2016) के लयि भारत-श्रीलंका द्वपिक्षीय व्यापार मूल्य क्रमशः 3.0, 3.4,

2.1, 3.8, 5.2, 4.5, 5.3, 7.0, 6.3, 4.8 (अमेरिकी डॉलर में) था जो व्यापार मूल्य की प्रवृत्ति में निरंतर उतार-चढ़ाव को दर्शाता है। समग्र वृद्धि के बावजूद इसे व्यापार मूल्य में लगातार वृद्धि के रूप में नहीं कहा जा सकता है। **अतः कथन 1 सही नहीं है।**

- निर्यात में 5% से अधिक और आयात में 7% से अधिक की हिस्सेदारी के साथ बांग्लादेश, भारत के लिये एक प्रमुख कपड़ा व्यापार भागीदार देश रहा है। भारत का बांग्लादेश को सालाना कपड़ा निर्यात औसतन 2,000 मिलियन डॉलर और आयात 400 डॉलर (वर्ष 2016-17) का है।**अत: कथन 2 सही है।**
- आँकड़ों के अनुसार, वर्ष 2016-17 में बांग्लादेश, दक्षिण एशिया में भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार देश है, इसके बाद नेपाल, श्रीलंका, पाकिस्तान, भूटान, अफगानिस्तान और मालदीव का स्थान है। भारतीय निर्यात का स्तर भी इसी क्रम का अनुसरण करता है।**अत: कथन 3 सही नहीं है।**

अतः विकल्प (B) सही है।

स्रोत: द हिंदू

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/chinese-vessel-in-sri-lanka